This question paper contains 2 printed pages.

Roll No.	**:**	
Unique Paper Code	**:**	**121302302**
Title of the Paper	**:**	**योगसूत्र एवं गौडपादकारिका** **Yogasutra & Gaudapadakarika**
Name of the Course	**:**	**M.A., Sanskrit (LOCF), Examination, Dec 2024**
Semester	**:**	**III**
Group	**:**	**B**
Duration	**:**	**3 Hours**
Maximum Marks	**:**	**70**

Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper
(इस प्रश्नप्रत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमाँक लिखिए ।)

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.
टिप्पणी: अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. योगसूत्रभाष्य के अनुसार समाधि के द्विविध भेदों का विस्तृत वर्णन कीजिए। **10**
Define twofold Samadhis in detail according to the Yogasūtrabhāṣya.

अथवा/OR

योगसूत्रभाष्य के आधार पर कर्म के सिद्धान्त का विवेचन कीजिए।
Elaborate theory of Karma on the basis of the Yogasūtrabhāṣya.

2. माण्डूक्योपनिषद् के अनुसार ओंकार नामक सिद्धान्त का ब्रह्म के सम्बन्ध में विवेचन कीजिए। **10**
Discuss the concept of Omkara in relation to Brahma according to the Māṇḍūkyopaniṣad.

अथवा/OR

गौडपाद द्वारा प्रतिपादित अद्वैतप्रकरण में उद्धृत श्रुतिवाक्यों के आधार पर अजातवाद का विवेचन कीजिए।
Examine the concept of Ajātavāda on the basis of the Śrutipramāṇas, mentioned by Gaudapāda in Advaitaprakaraṇa.

3. निम्नलिखित की **ससन्दर्भ** व्याख्या कीजिए : **7x4=28**
Explain the following with reference to the context:

(क) योगश्चित्तवृत्तिनिरोधः।

अथवा/OR

तस्य वाचकः प्रणवः।

(ख) तासामनादित्वं चाशिषो नित्यत्वात्।

अथवा/OR

अतीतानागतं स्वरूपतोऽस्त्यध्वभेदाद्धर्माणाम्।

(ग) बहिष्प्रज्ञो विभुर्विश्वो ह्यन्तःप्रज्ञस्तु तैजसः।
घनप्रज्ञस्तथा प्राज्ञ एक एव त्रिधा स्मृतः॥

अथवा/OR

वैतथ्यं सर्वभावानां स्वप्न आहुर्मनीषिणः।
अन्तःस्थानात्तु भावानां संवृतत्वेन हेतुना॥

(घ) आत्मा ह्याकाशवज्जीवैर्घटाकाशैरिवोदितः।
घटादिवच्च संघातैर्जातावेतन्निदर्शनम्॥

अथवा/OR

अस्पर्शयोगो वै नाम सर्वसत्त्वसुखो हितः।
अविवादोऽविरुद्धश्च देशितस्तं नमाम्यहम्।

4. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए जिसमें से **एक <u>संस्कृत</u>** में हो: **5+5+5+7=22**
Write notes on the following in which **one** should be in **Sanskrit:**

(क) अपरवैराग्य **अथवा/OR** ईश्वरप्रणिधान

(ख) कैवल्य **अथवा/OR** बाह्यर्थवाद

(ग) वैश्वानर **अथवा/OR** प्राज्ञ

(घ) माण्डूक्यकारिका के अद्वैतप्रकरण में जीवोत्पत्ति सम्बन्धी मत

अथवा/OR

अलातशान्तिप्रकरण के अनुसार हेतु और फल के अन्योन्यकारणत्व में दोष